TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

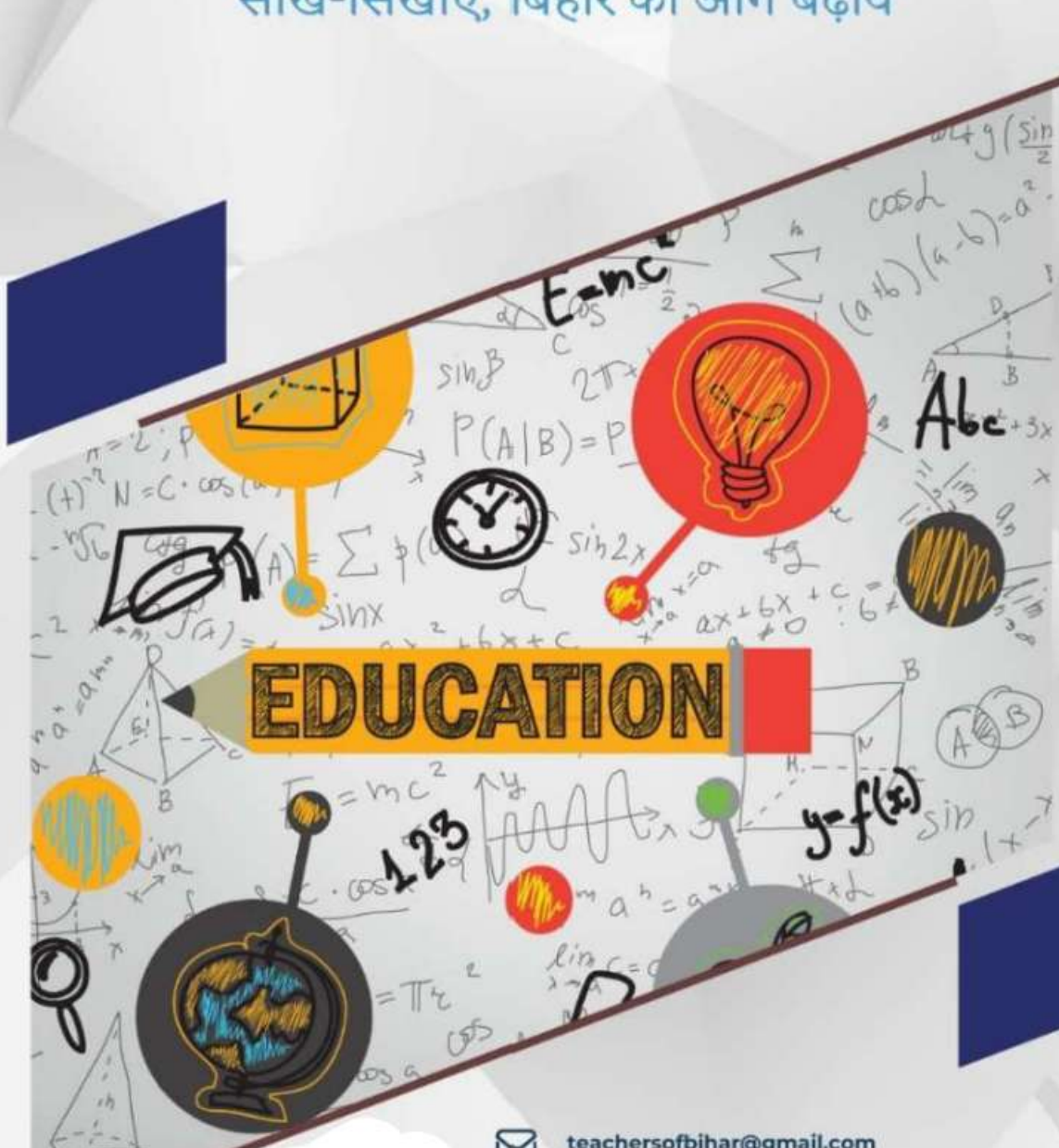

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

जयंती विशेष

18 फरवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

फलों से लदा वृक्ष हमेशा झुक जाता है यदि आप

महान बनना चाहते हैं तो विनम्र बनिए ।

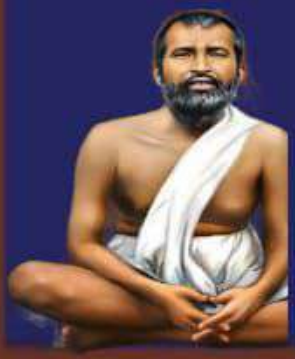

रामकृष्ण परमहंस

(आध्यात्मिक गुरु)

जन्म : 18 फरवरी 1836 मृत्यु : 15 अगस्त 1886

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

18 फरवरी

मधु प्रिया

रामकृष्ण परमहंस की जयंती 18 फरवरी

आज रामकृष्ण परमहंस की जयंती है। उनका बचपन का नाम गदाधर चट्टोपाध्याय था। तारीख के अनुसार उनका जन्म 18 फरवरी 1836 को बंगाल के एक प्रांत कामारपुकुर गांव में हुआ था। पिता का नाम खुदीराम तथा माता का नाम चंद्रमणि देवी था।वे भारत के एक महान संत और विचारक थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। वे मानवता के पुजारी थे। हिन्दू, इस्लाम और ईसाई आदि सभी धर्मों पर उसकी श्रद्धा एक समान थी, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने बारी-बारी सबकी साधना करके एक ही परम-सत्य का साक्षात्कार किया था।अपने बचपन से ही उन्हें विश्वास था कि भगवान के दर्शन हो सकते हैं, अत: भगवान प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति की तथा सादगीपूर्ण जीवन बिताया। अपने जीवन में उन्होंने स्कूल के कभी दर्शन नहीं किए थे। उन्हें न तो अंग्रेजी आती थी, न वे संस्कृत के जानकार थे। वे तो सिर्फ मां काली के भक्त थे। उनकी सारी पूंजी महाकाली का नाम-स्मरण मात्र था।रामकृष्ण परमहंस भारत के बहुत प्रसिद्ध संत में से एक हैं। स्वामी विवेकानंद जी इनके विचारों से प्रेरित थे, इसी कारण विवेकानंद जी ने इन्हें अपना गुरु माना और इनके विचारों को गति प्रदान करने के लिए रामकृष्ण मठ की स्थापना की, जो कि बेलूर मठ के द्वारा संचालित हैं। रामकृष्ण मठ और मिशन नामक यह संस्था जन मानुष के कल्याण के लिए एवं उनके आध्यात्मिक विकास के लिए दुनियाँ भर में काम करती हैं।स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने दूसरे धर्मों के बारे में भी ज्ञान हासिल किया था। उन्होंने सभी धर्मों की एकता पर बल दिया था। रामकृष्ण परमहंस जी का निधन 50 साल की उम्र में 16 अगस्त 1886 में कोलकाता में हुआ था।

Teachers of Bihar
The change makers

जयंती विशेष 18 फरवरी

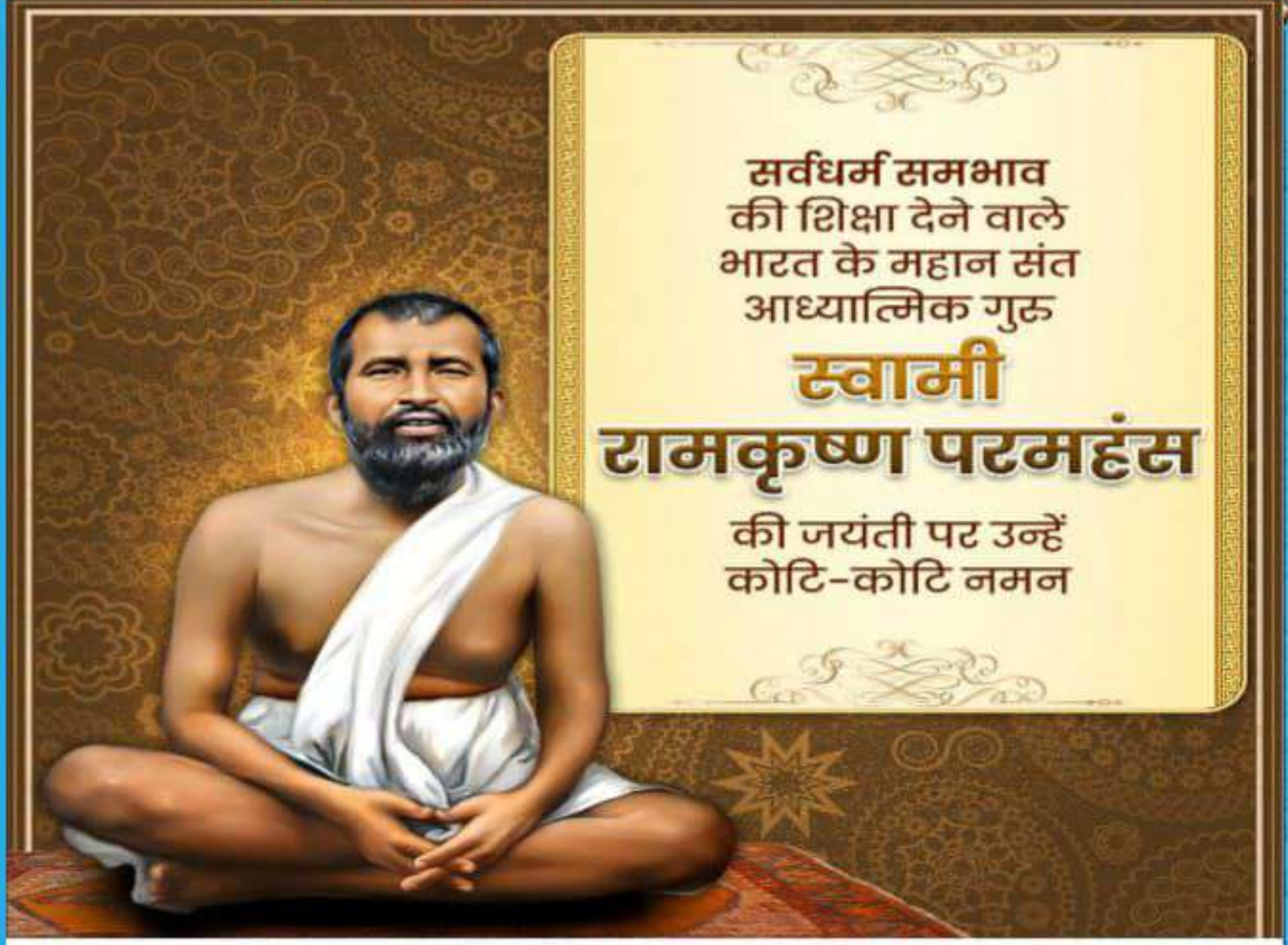

रामकृष्ण परमहंस *Ramakrishna Paramhansa*, जन्म: 18 फ़रवरी, 1836 - मृत्यु: 15 अगस्त 1886) भारत के एक महान् संत एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर ज़ोर दिया था। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे।

TOB खेल कॉर्नर

टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के लिए सबसे बड़े स्कोर

खिलाड़ी	स्कोर	मैदान	साल
विराट कोहली	82*	मेलबर्न (MCG)	2022
विराट कोहली	78*	कोलंबो (RPS)	2012
ईशान किशन	77	कोलंबो (RPS)	2026
गौतम गंभीर	75	जोहान्सबर्ग	2007

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैचों में सबसे तेज फिफ्टी

बल्लेबाज	गेंद	साल
ईशान किशन	27 गेंद	2026
इफ्तिखार अहमद	32 गेंद	2022
मिस्बाह उल हक	33 गेंद	2007
विराट कोहली	34 गेंद	2016
गौतम गंभीर	38 गेंद	2007

मैट्रिक परीक्षा 2026

राकेश कुमार

पहली शिफ्ट सुबह 9 .30 से दोपहर 12.45

दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 से शाम 5.15

तारीख	पहली शिफ्ट	दूसरी शिफ्ट
17 फरवरी	मातृभाषा	मातृभाषा
18 फरवरी	गणित	गणित
19 फरवरी	द्वितीय भाषा	द्वितीय भाषा
20 फरवरी	सामाजिक विज्ञान	सामाजिक विज्ञान
21 फरवरी	विज्ञान	विज्ञान
23 फरवरी	अंग्रेजी (सामान्य)	अंग्रेजी (सामान्य)
24 फरवरी	ऐच्छिक विषय	ऐच्छिक विषय
25 फरवरी	व्यवसायी ऐच्छिक विषय	-

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **18.02.2026**

अल्पकालीन स्मृति

अल्पकालीन स्मृति **(Short-term Memory - STM)** मानव मस्तिष्क की वह क्षमता है जो सूचनाओं को बहुत कम समय **(**आमतौर पर **20-30** सेकंड या अधिकतम कुछ मिनट**)** तक सक्रिय रूप से धारण करती है। यह **5-9** इकाइयों **(units)** की सीमित क्षमता के साथ काम करती है, जहाँ जानकारी का पूर्वाभ्यास **(rehearsal)** न होने पर वह विस्मृत हो जाती है। इसे प्राथमिक या कार्यकारी स्मृति **(working memory)** भी कहते हैं, जो दैनिक कार्यों के लिए जरूरी है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

ग्रीनलैंड दुनिया की ऐसी अनोखी जगह है, जहाँ शहरों, कस्बों और बस्तियों के बीच लगभग कोई सड़क नेटवर्क नहीं है। ऐसे में यहां यात्रा करने के लिए हवाई यात्रा, हेलीकॉप्टर की ही मदद ली जाती है। यहाँ हर शहर एक अलग द्वीप जैसा लगता है, जो ऊँचे पहाड़ों, बर्फ और समुद्र से घिरा हुआ है।

पद्य पंकज
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
“
विस्तृत नभ का कोई कोना
मेरा न कभी अपना होना
परिचय इतना, इतिहास यही
उमड़ी कल थी, मिट आज चली।
महादेवी वर्मा
www.padyapankaj.teachersofbihar.org
Madhu priya

ToB बूझो तो जानें..

548

जा जोड़े तो जापान, अमीरों के लिए है यह शान, बनारसी इसकी पहचान, दावतों में बढ़ती इसकी शान.. बुझो तो जानें ?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

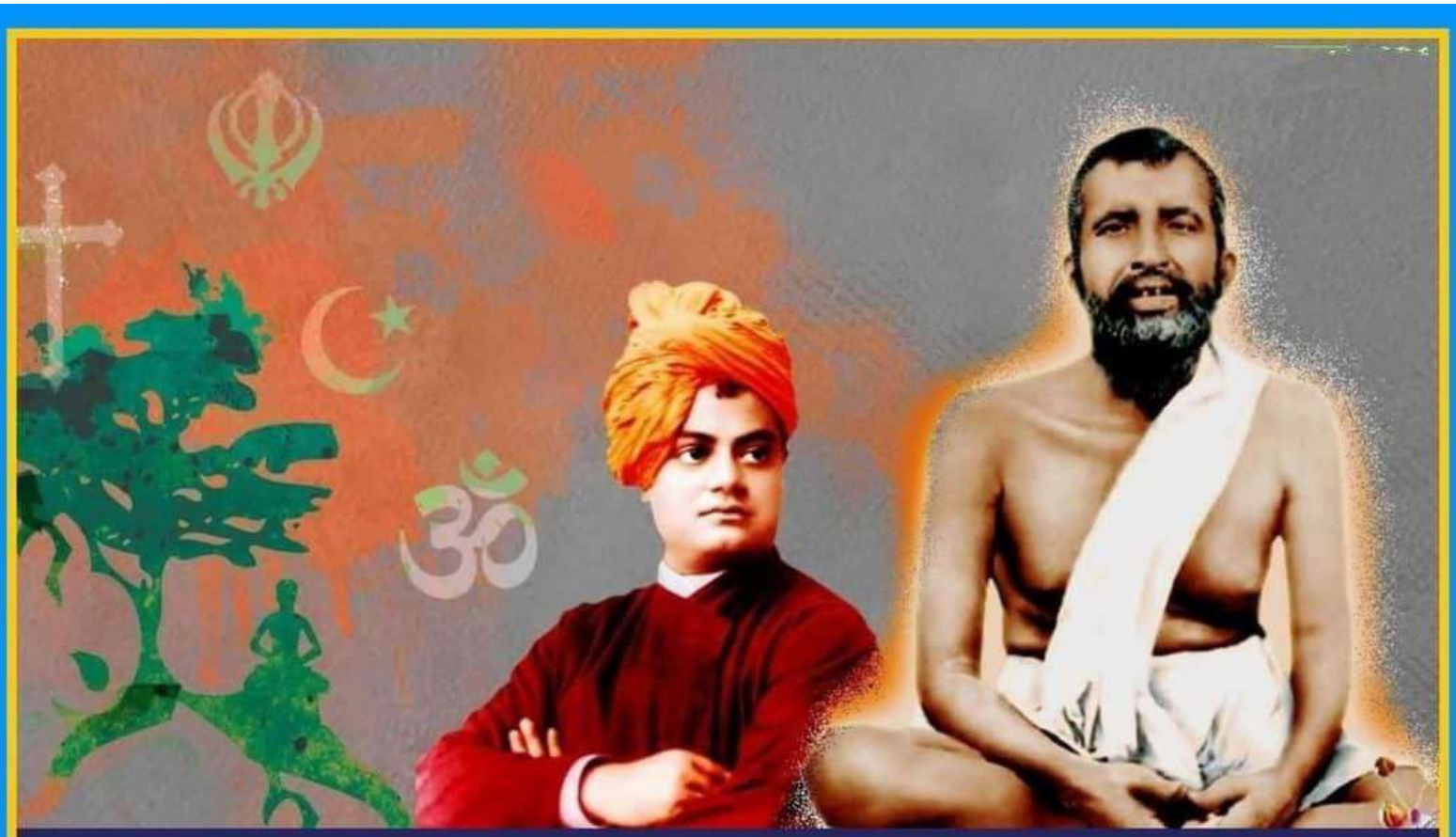

भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक

स्वामी रामकृष्ण परमहंस

18 फरवरी 1836 - 16अगस्त 1886

Madhu priya

/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

हमारे विद्यालय बदल रहे हैं, हमारा बिहार बदल रहा है

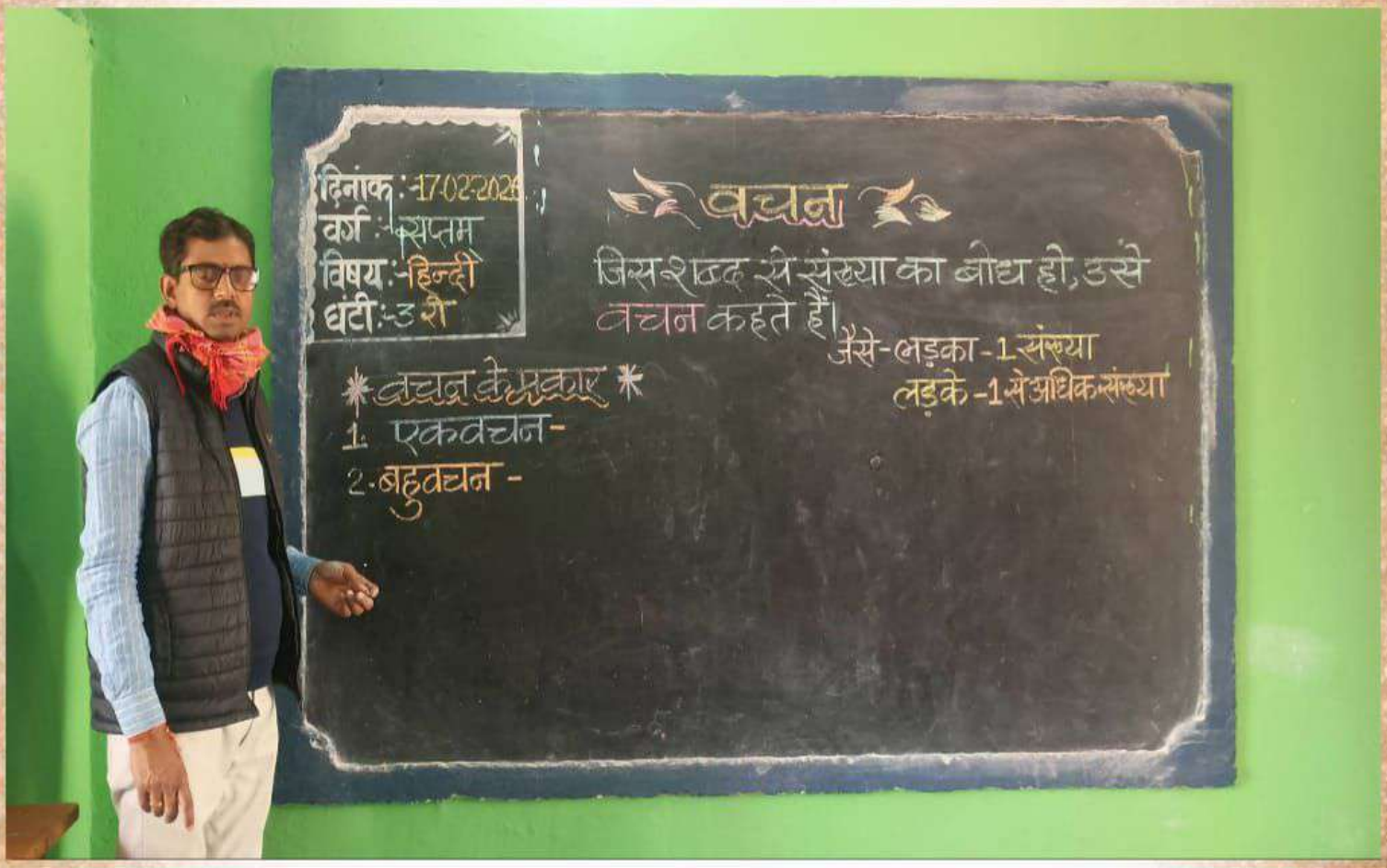

राजकीय मध्य विद्यालय चंदनपट्टी
सकरा, मुजफ्फरपुर

टीचर्स ऑफ बिहार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

हमारे विद्यालय बदल रहे हैं, हमारा बिहार बदल रहा है

+2 हाई स्कूल तेजपुरवा,पहाड़पुर,पूर्वी चंपारण

www.teachersofbihar.org

टीचर्स ऑफ बिहार

हमारे विद्यालय बदल रहे हैं, हमारा बिहार बदल रहा है

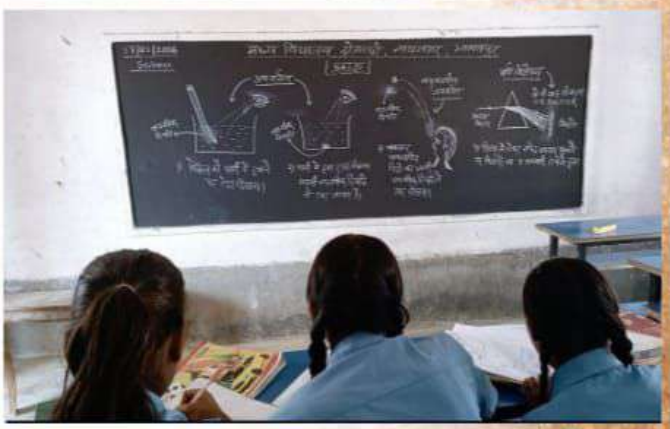

मध्य विद्यालय दोगच्छी, नाथनगर ,भागलपुर

www.teachersofbihar.org

टीचर्स ऑफ बिहार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

हमारे विद्यालय बदल रहे हैं, हमारा बिहार बदल रहा है

प्राथमिक विद्यालय सरस्वतीपुर

छातापुर, सुपौल

www.teachersofbihar.org

जयंती विशेष

18 फरवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

यह संसार कर्मक्षेत्र है और मानव का जन्म कर्म करने हेतु हुआ है।

- रामकृष्ण परमहंस

(आध्यात्मिक गुरु)

(18 फरवरी 1836 - 15 अगस्त 1886)

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org